pursued with regard to Kashmir and if so, the details thereof and if not, whether he has made any demand for revamping the State administration and if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) to (c) Government are aware of the press report in Question. It is not considered appropriate or necessary to react or respond to such reports attributed to certain leaders or individuals. As a part of the efforts to restore normalcy in the State of Jammu and Kashmir emphasis is also being laid on reactivation of the administration, bringing in greater accountability and bridging the gap between the administration and the people.

Discussion are also being held from time to time with leaders of various political parties, including Dr. Farooq Abdullah with a view to evolving ways add mens to restore normalcy and the political/democratic process in the State and due consideration is being given to the suggestions and ideas that emerge from such discussions.

हत्याओं में घरेलू नौकरों का हाथ होना

5693. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत एक वर्ष के दौरान दिल्ली में ऐसी कितनी हत्याएं हुई जिनमें घरेलू नौकरों का हाथ पाया गया ;

(ख) इनमें से कितने अपराधी पकड़े गये और कितनों की शिनाख्त नहीं हुई है ; और

(ग) इस प्रकार के अपराधों को रोकथाम करने के लिए सरकार ने क्या कारगर कदम उठाये हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. एम. सईद) : (क) हत्या के ऐसे मामलों, जिनमें घरेलू नौकर लिप्त पाए गए, की संख्या वर्ष 1993 में 15 और 1994 में 2 (31.3.1994 तक) है।

(ख) वर्ष 1993 के मामलो के संबंध में 16 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष 1994 के मामलों के संबंध में किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

(ग) इस प्रकार की घटनाओं की रोकथाम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं ;

(i) क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है।

(ii) निवासियों द्वारा रखे गए नौकरों के पूर्ववृत्त का सत्यापन किया गया है/किया जा रहा है।

(iii) विभिन्न क्षेत्रों के चौकीदारों को ब्रीफ किया गया है।

(iv) रेजिडेंटस वैलफेयर एसोसिएशनों के साथ बार-बार बैठकें की जाती हैं।

(v) बीट कांस्टेबलों को उनके संबंधित इलाकों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों यदि कोई हो, के पास जाकर उनके कल्याण के बारे में पूछताछ करने के बारे में ब्रीफ किया गया है।

आई.एस.आई. की गतिविधियों का रोक लगाने के लिए कदम उठाना

5694. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** :
श्री दिग्विजय सिंह :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पाक गुप्तचर संस्था आई. एस. आई. की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए क्या सरकार आई एस आई की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के

लिए अविलम्ब कोई कारगर कदम उठाने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस संबंध में और कोई विलम्ब किये बिना कदम उठाए जायेंगे और इस संबंध में क्या कार्य योजना होगी ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और इसका भारत की सुरक्षा, संप्रभुता एव शान्ति पर क्या दूरगामी प्रभाव पड़ेगा ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) से (ग) भारत में गुप्त रूप से जासूसी, विध्वंस और तोड़-फोड़ कराने के पाकिस्तान की आई. एस. आई. के मनसूबों की जानकारी सरकार को है और इन मनसूबों का मुकाबला करने तथा इन्हें विफल करने के लिए वह सभी जरूरी उपाय कर रही है, जिनमें आसूचना तंत्र को चुस्त-दुरूस्त बनाना, आसूचना का आदान-प्रदान, केन्द्र और राज्य की संबंधित एजेंसियों द्वारा समन्वित कार्रवाई करना, रणनीतिक महत्व के स्थलों पर अर्द्ध-सैनिक बलों की तैनाती को सुदृढ़ बनाना, तटवर्ती तथा अन्तःस्थलीय गश्त तेज करना, सीमा पर बाड़ लगाना और भारत-पाक सीमा के संवेदनशील हिस्सों में फ्लड लाइट लगाना शामिल हैं।

Disruptive efforts of pak in the valley

5695. SHRIMATI VEENA VERMA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether following the loss of Pakistan resolution in the UN Human Rights Commission in Geneva, Pakistan has intensified it disruptive efforts along the line of control in Jammu and Kashmir and is causing militancy in the valley; and

(b) if so, the number of persons killed and injured in the valley and how many of them were security personnel and militants; the number of militants apprehended and arms and ammunition seized during the intervening period?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): (a) Following the developments in Geneva in early March, 1994, efforts to escalate violence in the State with a view to thwarting the process of restoration of normalcy have been noticed. Apart from increase in the incidents of violence in the second fortnight of March, there were also targetted attack against political personalities, and innocent civilians to try and maintain terror and the fear of the gun.

(b) As per available information during the period from Ist March, 1994 to 15th April, 1994, 306 militants, 21 Security forces personnel and 148 civilians were killed and 491 militants were apprehended. The arms and ammunition seized during this period included:

AK Rifles	: 245
-do- ammunition	: 21562+4636 Boxes
Pistol/Revolvers	: 92
-do- ammunition	: 718
Grenades/Hand Grenades/Stick Grenades	: 181
UMGS	: 15
UMG ammunition	: 3079
Elec. Detonators/Detonetors	: 270
IEDS	: 6
Rockets	: 22
RPGs	: 5
AP Mines/Mines	: 211
Explosive material	: 86 Kgs.